एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

राष्ट्रीय पशुधन मिशन: उद्यमिता विकास कार्यक्रम

(*कमलेश गुर्जर[1] राजेश सामोता[2] तेजपाल पिपलोदा[3] एवं कौशल किशोर बिजारनिया[4])

[1]प्रसार शिक्षा विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान

[2]आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं तकनिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या, उत्तरप्रदेश

[3]सस्य विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान

[4]सस्य विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा

*संवादी लेखक का ईमेल पता: kamleshgurjar0962@gmail.com

भारतीय सरकार के राष्ट्रीय पशुधन मिशन का उद्देश्य पशुपालन के क्षेत्र में विकास और सुधार करना है। इस मिशन का हिस्सा उद्यमिता विकास कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को उनके व्यवसाय को मजबूत करने और विकसित करने में मदद करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय सहायता तकनीकी सहायता पशु स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य और मार्केटिंग सहायता की प्रदान की जाती है। यह प्रयास पशुपालकों के लिए नए और सुदृढ़ व्यवसायों को बढ़ावा देता है और भारतीय पशुधन सेक्टर को आर्थिक समृद्धि में सहायक होता है।

परिचय

'पशुधन' भारतीय समृद्धि के मूल आधारों में से एक है जो हमारे देश के कृषि और आर्थिक विकास के प्रमुख स्तम्भों में से एक है। पशुओं का पालन पोषण और उनसे मिलने वाले उत्पाद भारतीय जीवन और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल आहार प्राप्ति के साधन के रूप में महत्वपूर्ण है बल्कि यह गांवों और शहरों के लोगों के लिए आर्थिक विकल्पों को भी प्रदान करता है। 'पशुपालन एवं डेयरी विभाग' भारत सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 से प्रारम्भ की गई यह अनुदानित योजना अगले 5 वर्षों 2025-26 तक संचालित की जायेगी और इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा 'उद्यमिता' विकास कार्यक्रम है।

पशुधन का महत्व

पशुधन न केवल दूध मांस और गोबर के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह लघु और मध्यम उद्यमिता के विकास के लिए भी एक बड़ा स्रोत है। पशुधन से संबंधित उद्यमिता के क्षेत्र में निवेश करने से कृषि क्षेत्र के लिए नए रोजगार के अवसर बनते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

राष्ट्रीय पशुधन मिशन भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका मुख्य उद्देश्य पशुओं के उत्थान को प्रोत्साहित करना है। इस मिशन के अंतर्गत उद्यमिता विकास कार्यक्रम को आरंभ किया गया है जिसका लक्ष्य पशुपालकों को उनके व्यवसाय को मजबूत करने और विकसित करने में मदद करना है।

कार्यक्रम की विशेषताएँ

- **वित्तीय सहायता:** उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत पशुपालकों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जिससे उन्हें पशुधन के व्यवसाय में निवेश करने की संभावना होती है।

- **तकनीकी सहायता:** कार्यक्रम के अंतर्गत पशुपालकों को नवाचारिक और तकनीकी तरीकों से पशु पालन करने के लिए जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।
- **पशु स्वास्थ्य और परिप्रेक्ष्य:** कार्यक्रम के अंतर्गत पशु स्वास्थ्य की देखभाल और परिप्रेक्ष्य भी महत्वपूर्ण होती है ताकि पशुओं को बीमा चिकित्सा सेवाएं और संरक्षण की सुविधा मिल सके।
- **मार्केटिंग सहायता:** कार्यक्रम के अंतर्गत पशुपालकों को उनके उत्पादों को बाजार में पहुँचाने की सहायता भी प्रदान की जाती है।
- **शैक्षिक सहायता:** उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत पशुपालकों को पशु पालन की उच्च शिक्षा के लिए संबोधित किया जाता है। यह उन्हें नवाचारिक तरीकों से पशु पालन करने के लिए नई तकनीकों की जानकारी प्रदान करता है।
- **महिला सशक्तिकरण:** कार्यक्रम महिला पशुपालकों को भी लक्षित करता है और उन्हें पशु पालन के व्यवसाय में शामिल होने के लिए सहायता प्रदान करता है। इससे महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं और उनके योगदान को महत्वपूर्ण बनाता है।
- **स्वच्छता और सुरक्षा:** कार्यक्रम पशु स्वच्छता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उपायों को प्रोत्साहित करता है। यह पशुपालकों को बीमा और संरक्षण की सुविधाओं के लिए संरक्षित रखने में मदद करता है।
- **स्वच्छ पशु पालन:** कार्यक्रम पशुपालकों को स्वच्छ पशु पालन के महत्व को समझाने में मदद करता है। यह बीमा पशु स्वास्थ्य देखभाल और परिप्रेक्ष्य में बेहतर निगरानी की ओर प्रोत्साहित करता है।

परिणाम

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास कार्यक्रम के परिणामस्वरूप ग्रामीण और उपग्रामीण क्षेत्रों में पशु पालन के लिए नए और सुचरित व्यवसायिक अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। यह कार्यक्रम पशुपालकों को उनके व्यवसाय को मजबूत बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद कर रहा है।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय पशुधन मिशन का उद्यमिता विकास कार्यक्रम पशुपालकों के लिए एक बड़ा सहयोग है जो पशु पालन के क्षेत्र में नये और अधिक सुदृढ़ व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिससे पशु पालन के क्षेत्र में उनके व्यवसाय को मजबूत बनाने और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। इसके माध्यम से पशुपालकों को विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देने और उनके व्यवसाय को सुधारने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इससे न केवल पशु पालकों को फायदा हो रहा है बल्कि यह भारतीय पशुधन सेक्टर को भी नए उत्थान की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान कर रहा है।